अमर उजाला

बरेली
शुक्रवार, 27 अक्तूबर 2023
आश्विन शुक्ल-त्रयोदशी/चतुर्दशी
विक्रम संवत-2080

PAGE NO, 09, TOP RIGHT

'लाल किले का आखिरी मुकदमा' का मंचन, वकीलों ने की जिरह

रिद्धिमा सभागार में नाटक का मंचन करते कलाकार। अमर उजाला

आजाद हिंद फौज से संबंधित नाटक में नई दिल्ली के कलाकारों ने किया मंचन

बरेली। रिद्धिमा सभागार में बृहस्पतिवार को 'लाल किले का आखिरी मुकदमा' नाटक का मंचन पैरोट्स ट्रूप्स नई दिल्ली के कलाकारों ने किया।

मृणाल माथुर के लिखे और डॉ. एम सईद आलम निर्देशित आजाद हिंद फौज से संबंधित नाटक में तीन विचाराधीन कैदियों (मेजर जनरल शाहनवाज खान, कर्नल जीएस ढिल्लो और लेफ्टिनेंट कर्नल पीके सहगल) पर देशद्रोह का मुकदमा चलता है।

ये तीनों अपनी कोठरी में बैठे हुए दिखाए जाते हैं। मुकदमे की सुनवाई लाल किले में होती है। धीरे-धीरे लोगों को जब मुकदमे के बारे में पता लगा तो इसके खिलाफ आंदोलन होने लगता है। भूला भाई देसाई तीनों कैदियों के वकील हैं, जो बीच-बीच में चीजें भूल जाते हैं।

नाटक में उत्साही बचाव पर भी प्रकाश डाला गया। दोनों पक्षों के वकीलों की अंतिम बहस के बाद नाटक समाप्त हो जाता है। थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष के दूसरे दिन मुख्य अतिथि यूबी एरिया के मेजर जनरल जे. देबनाथ रहे।

इससे पूर्व एसआरएमएस ट्रस्ट संस्थापक देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, डॉ. एमएस बुटोला ने मुख्य अतिथि के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया। शुक्रवार को 'पड़ोसन एक श्रद्धांजलि' नाटक का मंचन शाम चार से साढ़े छह बजे तक किया जाएगा। संवाद